

भारत का राजपत्र **The Gazette of India**

प्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 621] नई दिल्ली शनिवार, दिसम्बर 18, 1971/अग्रहायण 27, 1893
 No. 621] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 18, 1971/AGRAHAYANA 27, 1893

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
 as a separate compilation.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 18th December 1971

S.O. 5507.—The following Order made by the President is published for general information:—

ORDER

Whereas, I, V. V. Giri, President of India, had on 1st November, 1971, made an Order under section 51 of the Government of Union Territories Act, 1963 (20 of 1963), suspending certain provisions of that Act in relation to the Union territory of Tripura;

And, whereas, I am satisfied that, with effect from the date of this Order, the operation of sub-section (1) and clause (a) of sub-section (2) of section 6 of the said Act should also be suspended;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the said section 51 and all other powers enabling me in that behalf, I hereby vary the Order made by me on the 1st November, 1971, as follows:—

In the said Order, in clause (a), before the entry beginning with the words, figures and brackets "in section 7, sub-section (1)", the following entry, namely,—

"In section 6, sub-section (1), and clause (a) of sub-section (2);" shall be inserted.

NEW DELHI-4,

V. V. GIRI.

President.

The 17th December, 1971.

[No. F. 10/28/71-SR.]

K. R. PRABHU, Jt. Secy

गृह मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 18 दिसम्बर, 1971

एस० आर० 5507.—राष्ट्रपति द्वारा जारी किया गया निम्नलिखित आदेश सर्वे साधारण के सूचनार्थ प्रकाशित किया जा रहा है :

आदेश

यतः, मैंने, व० वे० गिरि भारत के राष्ट्रपति ने संघ राज्य क्षेत्र शासन अधिनियम 1963 (1963 का 20) की धारा 51 के अधीन एक आदेश 1 नवम्बर 1971 को किया था जिसके द्वारा त्रिपुरा संघ राज्य क्षेत्र के संबंध में उस अधिनियम के कतिपय उपबन्ध निलम्बित किए गए थे ;

और यतः मेरा समाधान हो गया है कि उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) और उपधारा (2) के खण्ड (क) का प्रवर्तन इस आदेश की तारीख से निलम्बित किया जाना चाहिए ;

अतः अब उक्त धारा 51 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का और इस निमित्त मुझे समर्थ बनाने वाली सभी अन्य शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं 1 नवम्बर, 1971 के अपने द्वारा किए गए आदेश में एतद्वारा निम्नलिखित फेरफार करता हूं :—

उक्त आदेश, मैं, खण्ड (क) में, “धारा 7 में, उपधारा (1)” शब्दों, अंकों और कोष्ठकों से आरम्भ होने वाली प्रविष्टि से पूर्व निम्नलिखित प्रविष्टि अंतः स्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

“धारा 6 में, उपधारा (1) और उपधारा (2) का खण्ड (क)”

व० वे० गिरि,

राष्ट्रपति ।

नई दिल्ली ;

17 दिसम्बर, 1971

[सं० एफ० 10/28/71—एस० आर०]

के० आर० प्रभु, संयुक्त सचिव ।